पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****

‘हर काम देश के नाम’

नई दिल्लीः ज्येष्ठ 19, 1944
बृहस्पतिवारः 09 जून 2022

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 12 हाई स्पीड गार्ड नौकाएं वियतनाम को सौंपी, भारत की 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत हुआ नौकाओं का निर्माण

'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' परिकल्पना और भारतीय रक्षा विनिर्माण क्षेत्र की पेशेवर उत्कृष्टता का एक शानदार उदाहरण

रक्षा मंत्री ने वियतनाम को संवर्धित सहयोग के माध्यम से भारत के रक्षा औद्योगिक परिवर्तन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 09 जून 2022 को हाई फोंग में होंग हा शिपयार्ड की अपनी यात्रा के दौरान वियतनाम को 12 हाई स्पीड गार्ड नौकाएं सौंपीं। इन नौकाओं का निर्माण भारत सरकार की वियतनाम को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर रक्षा लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत किया गया है। शुरुआती पांच नौकाओं को भारत में लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) शिपयार्ड में और अन्य सात को होंग हा शिपयार्ड में निर्मित किया गया। समारोह के दौरान भारत और वियतनाम के वरिष्ठ सिविल और सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने इस परियोजना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' का एक जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद परियोजना का सफलतापूर्वक पूरा होना भारतीय रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के साथ-साथ होंग हा शिपयार्ड की प्रतिबद्धता और पेशेवर उत्कृष्टता का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना भविष्य में भारत और वियतनाम के बीच अनेक अन्य सहकारी रक्षा परियोजनाओं का अग्रदूत होगी।

श्री राजनाथ सिंह ने संवर्धित सहयोग के माध्यम से वियतनाम को भारत के रक्षा औद्योगिक परिवर्तन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा उद्योग ने प्रधानमंत्री की 'आत्मनिर्भर भारत' परिकल्पना के अंतर्गत अपनी क्षमताओं में अत्यधिक वृद्धि की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसका उद्देश्य भारत को एक रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए एक घरेलू उद्योग का निर्माण करना है जो न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

रक्षा मंत्री वियतनाम की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। हनोई में 08 जून 2022 को पहले दिन श्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग को बढ़ाने के लिए 2030 की ओर भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर एक संयुक्त परिकल्पना वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से फायदेमंद रसद सहयोग के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्री ने वियतनाम के राष्ट्रपति श्री गुयेन जुआन फुक और प्रधानमंत्री श्री फाम मिन्ह चिन से भी मुलाकात की।

एबीबी/डीके/डीएस/आरपी